विद्या भवन बालिका विद्यापीठ,लखीसराय

कक्षा-5 तिथि-03/06/2020

विषय-संस्कृत

सुप्रभात बच्चों,

आज संस्कृत में तृतीय पाठ ' व्यंजन वर्ण' के शब्द रचना व मात्रा के बारे में विस्तार से समझेंगे-

***शब्द रचना- जब दो या दो से अधिक वर्ण आपस में मिलकर सार्थक अर्थ प्रकट करते हैं,तो शब्द रचना करते हैं।**

जैसे- ब्+आ+ल्+अ+क्+अ: = बालकः

ल्+ अ+ त्+आ = लता

फ्+अ+ल्+अ+म् = फलम्

ब्+ आ+ ल्+ इ+ क्+आ= बालिका

अ+ श्+ व्+ अः = अश्वः

क्+ अ+ म्+ अ+ ल्+ अ+म् = कमलम्

***मात्रा ज्ञान**- जब व्यञ्जन वर्णो में स्वर वर्ण मिल जाते हैं, तो व्यंजन वर्णो के हलन्त का लोप हो जाता है और स्वर वर्ण अपना स्वरूप बदल लेते हैं। स्वरों के इन बदले हुए रुप को मात्रा कहते हैं।

जैसे- क्+ अ= के

क्+ आ= का

क्+ इ= कि

क्+ई=की

क्+उ= कु

क्+ ऊ=कू

***वर्ण विच्छेद-** शब्दों के वर्णो को अलग-अलग करना वर्ण विच्छेद कहलाता है।

जैसे- फ्+अ+ल्+अ+म् = फलम्

ब्+ आ+ ल्+ इ+ क्+आ= बालिका

***शब्दार्थ:-**

बालकाः = बच्चे/ लड़के

के= कौन

ते=वे(पुं)

बालकौ= दो लड़के

कौ= कौन(द्विवचन)

क. परिभाषित करें-

(i) शब्द रचना (ii) मात्रा ज्ञान (iii) वर्ण विच्छेद

ख. शब्दार्थ:-

(i)बालकौ=

(ii)कौन=

(iii)के=

(iv)ते=

(v)बालकाः =

Subject Teacher’s-Sumita Kumari